...निर्धारित की गई है। (प्रट्र)

गन्ना व कपास किसानों की निगाहें मानसून पर

नई दिल्ली ◆ लगातार खराब मानसून से परेशान गन्ना व कपास किसानों की निगाहें बेहतर मानसून की आस पर टिक गई हैं। देश के सबसे के बड़े गन्ना व कपास उत्पादक राज्य महाराष्ट्र व गुजरात में खराब मानसून के संकेत मिले हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि इस वर्ष भी मानसून समय पर नहीं आया तो अंतर्राष्ट्रीय बाजार में इन कमोडिटी के दामों में तेजी आ सकती है। भारत में मानसून एक जून तक दस्तक दे जाता है लेकिन इस समय देश के दक्षिणी व पश्चिमी क्षेत्रों व दक्षिणी यूरोप में तापमान 47 डिग्री से. तक पहुंच गया है। आने वाले दिनों में बारिश के आसार कम दिख रहे हैं। ऐसे में किसानों के लिए बड़ी समस्या खड़ी हो सकती है।

महाराष्ट्र के एक किसान ने बताया कि पानी की कमी के कारण फसलों की पत्तियां सूख गई हैं। पानी की कमी के कारण फसल मई की गर्मी को झेल नहीं पाएगी। यदि किसी तरह से फसल मई तक जीवित रह भी जाती है तो जल्द ही सिंचाई के लिए पानी की जरूरत होगी। भारत विश्व स्तर पर चीनी, अनाज व कपास के बड़े उत्पादक देशों में से एक है। लेकिन देश में 55 फीसदी कृषि योग्य भूमि पर मानसून की सिंचाई का अभाव है। महाराष्ट्र में पहले ही सूखे की वजह से गन्ना के रकबे में कमी देखी जा रही है।

एंजेल कमोडिटीज ब्रोकिंग के एक विश्लेषक ने बताया कि दक्षिणी भारत में खराब मानसून के कारण फसलों को भारी नुकसान हुआ है। आशा की जा रही है कि इस बार समय पर मानसून देश में दस्तक देगा। अगले माह तक मानसून दक्षिणी क्षेत्र में दस्तक देने के बाद माह के अंत तक उत्तर भारत के राज्य महाराष्ट्र व गुजरात की ओर रुख कर देगा। (रॉयट्र्स)

Business Bhaskar

8/5/13